अवध-विहान

डिजिटल पत्रिका

अंक—: द्वाचत्वारिंशत् (42) पुष्प, जुलाई 2025

10जुलाई2025 आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा वि.स.2082

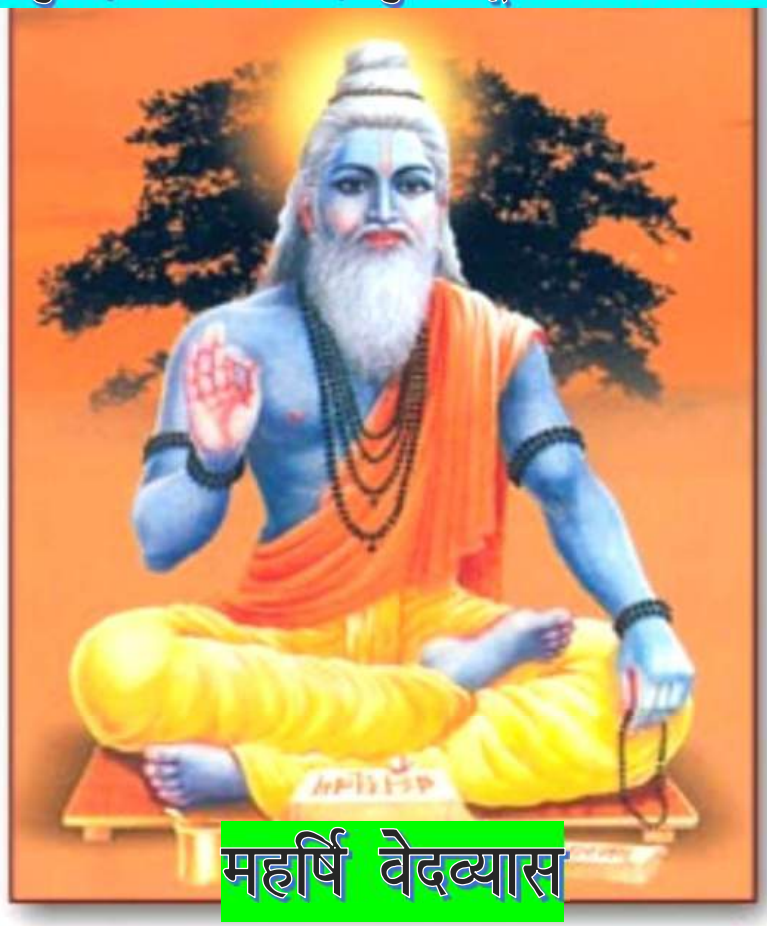

महर्षि वेदव्यास

प्रकाशक

भारतीय शिक्षा समिति उ०प्र०

अवध प्रान्त

सरस्वती कुन्ज निरालानगर, लखनऊ

अवध—विहान

संरक्षक

मा. यतीन्द्र शर्मा जी
अ.भा. सहसंगठन मंत्री
विद्या भारती

मार्गदर्शक मण्डल

मा. हेमचन्द्र जी
क्षेत्रीय संगठन मंत्री
विद्या भारती पूर्वी उ0प्र0 क्षेत्र

मा. हरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव जी
अध्यक्ष
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. डॉ. महेन्द्र कुमार जी
मंत्री
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. रामजी सिंह जी
प्रदेश निरीक्षक
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. सुरेश कुमार सिंह जी
सम्भाग निरीक्षक (सीतापुर सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. अवरीश कुमार जी
सम्भाग निरीक्षक (साकेत सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

सम्पादक मण्डल

प्रधान सम्पादक
सुनील कुमार सिंह
प्रान्त प्रचार प्रमुख (भारतीय शिक्षा समिति,उ.प्र.)
मो. 9451139239, E-mail:- awadhpacher@gmail.com

सहसम्पादक

श्रीमती निधि द्विवेदी
प्रधानाचार्य
स.बा.वि.म..इ.का., सरस्वती नगर
रायबरेली

श्री देवेन्द्र कुमार शुक्ल
प्रधानाचार्य
स.वि.म.इ.का.
रामसनेही घाट—बाराबंकी

विशेष सहयोग

श्री बीरेन्द्र वर्मा
प्रान्त संवाददाता प्रमुख
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

श्री जितेन्द्र पाण्डेय
प्रान्त सोशल मीडिया प्रमुख
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

कम्प्यूटर ग्राफिक्स व डिजाइनिंग
श्री अमरदीप श्रीवास्तव
स.शि.म.इ.का.
फतेहपुर— बाराबंकी

इस अंक में–	पेज नम्बर
1. सम्पादकीय	01
2. पत्रकार वार्ता	02–05
3. लखीमपुर संकुल	06–10
4. सीतापुर संकुल	11–12
5. लखनऊ संकुल	13–18
6. बाराबंकी संकुल	19–20
7. अयोध्या संकुल	21–23
8. गोण्डा संकुल	24
9. बहराइच संकुल	25–27
10. रायबरेली संकुल	28
11. उन्नाव संकुल	29–30
12. हरदोई संकुल	31–32
13. अम्बेडकर नगर संकुल	33–34
14. बलरामपुर संकुल	35
15. लेख– आपेरशन सिंन्दूर	36–37
16. गीत– गुरू पूर्णिमा पर विशेष	38

अवध विहान में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने है। यह आवश्यक नहीं है कि विद्या भारती के दृष्टिकोण में भी वही हो। पाठकों से आग्रह है कि विषय वस्तु की पुष्टि स्वयं से करें। पत्रिका में प्रकाशित विषयवस्तु के लिए प्रचार विभाग उत्तरदायी नहीं हैं।

सम्पादकीय

गुरु पूर्णिमा: ज्ञान और परंपरा का महापर्व

आषाढ़ मास की पूर्णिमा को मनाई जाने वाली गुरु पूर्णिमा, सनातन और वैदिक संस्कृति में एक अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। यह वह पावन दिवस है जब श्रद्धावान शिष्य अपने गुरु आश्रमों में जाकर गुरु के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा और भक्ति अर्पित करते हैं। गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में गुरु महिमा का बखान करते हुए लिखा है: "बंदउँ गुरु पद पदुम परागा, सुरुचि सुबास सरस अनुरागा।" यह पंक्तियाँ गुरु के चरणों की वंदना करते हुए उनके ज्ञान और प्रेम की सुगंध को दर्शाती हैं।

गुरु वह प्रकाशपुंज हैं जो मनुष्य के अंतःकरण से अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर उसे ज्ञान से आलोकित करते हैं। वे हमें विद्या और अविद्या के भेद को जानने योग्य बनाते हैं, जिससे हम सत्य और असत्य का पथ पहचान सकें। वेद गुरु को परब्रह्म का स्वरूप मानते हैं, जिसकी गुरुता हमें अपनी ओर आकर्षित करती है। गुरु के प्रभाव से ही मनुष्य देवत्व की ओर अग्रसर होता है, अपने अंदर छिपी उच्चतम संभावनाओं को प्राप्त करता है।

यह गुरु पूर्णिमा चातुर्मास का भी प्रारंभ है, इस अवसर पर हम उन सभी ऋषि-मुनियों, संतों, साधकों और वानप्रस्थियों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं जो इस अवधि में तपस्या और साधना में लीन रहते हैं। गृहस्थ आश्रम में साधिका रूप में जीवन व्यतीत करने वाली मां

संसार में आने के बाद हमारा परिचय संसार से करवाने का काम प्रथम गुरु हमारी मां ही करवाती हैं। "माता निर्माता भवति" - माता ही निर्माण करती हैं। स्वामी श्रद्धानंद जी की आरती में भी यह भाव स्पष्ट होता है: "मात-पिता तुम मेरे शरण गहूं मैं किसकी, तुम बिन और न दूजा आस करूं मैं किसकी।" माता-पिता और गुरु, ये तीनों साक्षात ब्रह्म स्वरूप हैं जिनकी उपासना वैदिक काल से चली आ रही है।

वैदिक संस्कृति ही एकमात्र ऐसी संस्कृति है जिसमें गुरु-शिष्य परंपरा का विस्तृत उल्लेख मिलता है। गुरु और शिष्य के मध्य होने वाला संवाद, जो उपनिषदों के रूप में प्रकट हुआ, हम सभी के लिए मार्गदर्शक और प्रेरणास्पद है। हालांकि, आधुनिक समय में गुरु की संकल्पना में विविधता भी देखने को मिलती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने गुरु के स्थान पर परम पवित्र भगवद ध्वज को प्रतिष्ठित किया है, जबकि सिख पंथ के प्रवर्तक गुरु गोविंद सिंह महाराज ने 'गुरु ग्रंथ साहिब' को गुरु का दर्जा दिया है। यह इस बात का प्रतीक है कि कोई व्यक्ति विशेष गुरु नहीं हो सकता, बल्कि साक्षात ब्रह्म ही गुरु है, जो इस सृष्टि का संचालक और मूल आधार है। महर्षि मनु ने भी वेदों को "अखिलो धर्म मूलम" कहा है, अर्थात् सभी धर्मों का मूल वेद में ही है।

आइए, हम सभी वेदानुकूल आचरण करते हुए, गुरु के प्रति अपनी श्रद्धा और भक्ति व्यक्त करें और इस गुरु पूर्णिमा को सच्चे अर्थों में मनाएं। ऐसी अपेक्षा के साथ, आप सभी को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं!

(सुनील कुमार सिंह)
प्रधान सम्पादक
सरस्वती शिशु मन्दिर इण्टर कालेज
फतेहपुर– बाराबंकी

पत्रकार वार्ता

विद्या भारती की वार्षिक पत्रकार वार्ता: मूल्य-आधारित और समावेशी शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण

20 जून 2025, शुक्रवार को विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान ने नई दिल्ली स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में अपनी वार्षिक राष्ट्रीय प्रेस वार्ता का आयोजन किया. अ.भा.अध्यक्ष डॉ. रविंद्र कान्हेरे ने महामन्त्री श्री देशराज शर्मा, उपाध्यक्ष श्री अवनीश भटनागर और प्रचार संयोजक डॉ. रामकुमार भावसार की उपस्थिति में विद्या भारती की विशिष्ट गतिविधियों, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं के बारे में अपना वक्तव्य दिया.
आपने कहा कि विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान आज देश के सबसे बड़े शैक्षणिक आंदोलनों में से एक है, जो गुणवत्तापूर्ण (गुणात्मक) और संस्कृति-युक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। विद्या भारती आज संपूर्ण देश में 684 जिलों में 12,118 विद्यालयों का संचालन कर रही है । इसके अतिरिक्त, संस्था देशभर में 8,000 से अधिक अनौपचारिक शिक्षा केंद्र भी संचालित कर रही है, जो समाज के वंचित वर्ग को नि:शुल्क शिक्षा सुविधा प्रदान कर रहे हैं । वर्तमान में 35.33 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं विद्या भारती के स्कूलों में अध्ययनरत हैं और उन्हें 1.53 लाख से अधिक शिक्षक शिक्षित कर रहे हैं।

पूर्व छात्रों के बारे में बताते हुए आपने कहा कि विद्या भारती के 10 लाख 30 हजार से अधिक पूर्व छात्र इसके पोर्टल पर पंजीकृत हैं, जिससे यह विश्व का सबसे बड़ा पूर्व छात्र संगठन बन गया है। ये पूर्व छात्र 87 से अधिक देशों में रहकर विविध क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं और अपनी स्कूली शिक्षा के दौरान प्राप्त सेवा, संस्कृति और प्रतिबद्धता के मूल्यों को आगे बढ़ा रहे हैं।

विद्या भारती की विशेषता इसकी मूल्याधारित शिक्षा को आधुनिक तकनीकी दृष्टिकोण से जोड़ने में है।हमारे विद्यालयों में AI-सक्षम लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म, डिजिटल क्लासरूम अपनाए जा रहे हैं और यह सब राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के अनुरूप है।
वर्तमान में, 507 से अधिक विद्यालयों में अटल टिंकरिंग लैब्स की स्थापना की जा चुकी है, जो AI, Robot, Coding और अन्य उभरती तकनीकों में बच्चों को हाथों-हाथ सीखने का अवसर देती हैं। वैश्विक STEM मानकों की दिशा में कार्य करते हुए भी संस्था का नैतिक मानदंड भारतीय दर्शन द्वारा निर्धारित होता है.

हमारे आईटीआई, जन शिक्षण संस्थान और स्किल हब जैसे व्यावसायिक शिक्षा के केंद्र जनजातीय और ग्रामीण युवाओं को रोजगारपरक कौशल प्रदान करते हैं । कारगिल (लद्दाख), शिमला और मंडी (हिमाचल प्रदेश), और किफिरे (नागालैंड) जैसे दुर्गम क्षेत्रों में इन केंद्रों की स्थापना की गई है।

विशेष शिक्षा गतिविधि में विद्या भारती सैनिक विद्यालय, सीमा क्षेत्र विद्यालय और आवासीय जनजातीय विद्यालय भी संचालित करती है ताकि कोई भी क्षेत्र शिक्षा से वंचित न रह जाए । भारतीय शिक्षा शोध संस्थान (लखनऊ) और समर्थ भारत अनुसंधान केंद्र (गांधीधाम, गुजरात) जैसे संस्थान भारतीय ज्ञान परंपराओं पर आधारित पाठ्यक्रम एवं अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि मानक परिषद (भोपाल) पूरे देश में स्कूलों की गुणवत्ता के मानकीकरण एवं उन्नयन का कार्य कर रही है।

अपने अखिल भारतीय आयोजनों में राष्ट्रीय विज्ञान मेले, गणित ओलंपियाड, खेल प्रतियोगिताओं आदि में भी हमारे छात्रों ने लगातार प्रथम स्थान प्राप्त किए हैं । विद्यालय से अखिल भारतीय स्तर तक आयोजित विज्ञान मेला, सांस्कृतिक कला पर्व, खेल, वैदिक गणित, कम्प्युटर विषयों के कार्यकर्मों से जहां गुणवत्ता, रुचि, नवाचार को बढ़ावा मिलता है वहीं राष्ट्रीय एकात्मता, परम्पराओं का आदान-प्रदान तथा मिलजुल कर कार्य करने की भावना का विकास होता है ।

अभी तक प्राप्त सूचनाओं के आधार पर इस वर्ष UPSC परीक्षा में 27 से अधिक पूर्व छात्रों ने सफलता प्राप्त की है श्री प्रकाश यादव (प्रयागराज), श्री विभोर सारस्वत (शिकारपुर, बुलंदशहर, यूपी) और श्री ऋषभ चौधरी (गरोठ, मध्य प्रदेश) ने टॉप 50 में स्थान प्राप्त किया । यह सब प्रमाणित करता है कि जन साधारण की मूल्याधारित शिक्षा भी वैश्विक मानकों से कहीं अधिक बेहतर परिणाम दे रही है ।

विजन 2047 और पंच परिवर्तन की चर्चा करते हुवे आपने बताया कि विद्या भारती का भावी रोडमैप पंच परिवर्तन के पाँच उद्देश्यों द्वारा निर्देशित है:

सामाजिक समरसता - जाति, वर्ग और क्षेत्रीय भेदभाव से ऊपर उठकर सामाजिक समरसता और एकता को बढ़ावा देना विद्या भारती का मुख्य उद्देश्य है। यह संगठन सभी सामाजिक वर्गों के लिए शिक्षा को सुलभ और समावेशी बनाने के लिए कार्य करता है। जनजाति, ग्रामीण और सीमावर्ती क्षेत्रों में कम शुल्क वाले विद्यालयों की स्थापना के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया है कि कोई भी बच्चा आर्थिक या सामाजिक बाधाओं के कारण शिक्षा से वंचित न रह जाए।

कुटुंब प्रबोधन - परिवार शिक्षा केन्द्र की एक इकाई है । उनके प्रबोधन से भारतीय परिवार को मूल्यों, भावनात्मक स्थिरता और नागरिक शिक्षा का केंद्र बनाना आवश्यक है। विद्या भारती की की भारतीय परंपराओं पर आधारित मूल्य-आधारित शिक्षा के माध्यम से यह संभव हो रहा है । शिशु वाटिका की गतिविधियाँ और मातृ-पितृ पूजन, अभिभावक संपर्क जैसे कार्यक्रम पारिवारिक रिश्तों को मजबूत करते हैं और बच्चों में आदर, प्रेम व जिम्मेदारी की भावना पैदा करते हैं।

पर्यावरण संरक्षण - 2024-25 में ठोस परिणाम देखने को मिले: 5.2 लाख से अधिक पौधों का रोपण किया गया, 1,827 स्कूलों में जल संरक्षण के प्रयास हुए, 3,939 स्कूलों में ऊर्जा बचत गतिविधियाँ चलाई गईं, और 2,790 स्कूलों में कचरा प्रबंधन अभियान चलाए गए । छात्रों और आचार्यों ने मिलकर 1,643 स्कूलों में इको-क्लब का नेतृत्व किया, 1,209 औषधीय बग़ीचे तैयार किए, और 3,408 स्कूल परिसरों को हरित एवं पॉलीथीन मुक्त घोषित किया गया ।

नागरिक कर्तव्य बोध - विद्यालयों की दैनंदिन गतिविधियों में अपने संवेधानिक कर्तव्यों को जीवन व्यवहार में लाने हेतु अभ्यास किया जाता है । नियमों का पालन, राष्ट्रीय मानबिन्दुओं का सम्मान, बड़े बुजुर्गों की सेवा, स्वच्छता, राष्ट्रीय संपत्ति का संरक्षण आदि यह सब गतिविधियां इस कार्य का आधार है ।

स्व - भारतीय भाषाओं, संस्कृति और लोक ज्ञान के माध्यम से आत्म-चेतना का विकास हमारे विद्यालयों की विशेषता है । संस्कृत शिक्षण और भारतीय ज्ञान प्रणाली का समावेश छात्रों को अपनी जड़ों से जोड़ता है। दूसरी ओर, कौशल विकास केंद्र, ITI और जन शिक्षण संस्थान युवाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। आत्म पहचान + कौशल विकास = आत्म निर्भरता यह सूत्र हमारे विद्यार्थियों में उद्यमिता एवं चरित्र निर्माण का कार्य करता है ।

नारी सम्मान - बालिकाओं और महिलाओं को समान अवसर, सम्मान और नेतृत्व की भूमिकाओं के साथ सशक्त बनाना विद्या भारती का एक प्रमुख लक्ष्य है। कुल 34,75,757 विद्यार्थियों में से 14,41,601 बालिकाएँ हैं। परिवार में महिला की विशेष भूमिका को ध्यान में रखते हुए, विद्या भारती बालिका शिक्षा पर विशेष बल देती है। माँ-बेटी संवाद, किशोरी परामर्श, और आत्मरक्षा प्रशिक्षण जैसे मंचों के माध्यम से संगठन भारतीय मूल्यों पर आधारित समग्र सशक्तिकरण को बढ़ावा देता है।

विद्या भारती विद्यार्थियों को ज्ञानवान, चरित्रवान, प्रखर राष्ट्रभक्त बनाने में सतत सक्रिय रहने के साथ ही देश की आपदा की किसी भी परिस्थिति में सहयोग के लिए तत्पर रहा है। विद्या भारती शिक्षा के माध्यम से राष्ट्रीय पुनर्जागरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है। हम समाज के सभी वर्गों से आह्वान करते हैं कि वे इस प्रयास में सहभागी बनें, जिससे राष्ट्र की आवश्यकता अनुसार व्यक्तियों का निर्माण हो और राष्ट्र विकसित और आत्मनिर्भर बने।

लखीमपुर संकुल

विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र की प्रचार विभाग की कार्यशाला में कार्य, दायित्व और उद्देश्य पर हुआ मंथन

दृष्टिकोण निर्माण का अवसर है कार्यशाला – डॉ० सौरभ मालवीय

स्थान: पं. दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज (यू पी बोर्ड) लखीमपुर खीरी

दिनांक: 21 जून 2025

लखीमपुर खीरी "यह कार्यशाला केवल एक बैठक नहीं, बल्कि दृष्टिकोण निर्माण का अवसर है। हमें यह जानना और समझना होगा कि हमारी भूमिका क्या है, दायित्व क्या हैं और संगठन हमसे क्या अपेक्षा करता है। प्रचार विभाग वह धुरी है जो संगठन की प्रत्येक गतिविधि को समाज से जोड़ता है।"

यह विचार विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्रीय मंत्री , लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर व पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष श्री सौरभ मालवीय ने शनिवार सायं प्रचार प्रसार विभाग की क्षेत्रीय कार्यशाला के परिचयात्मक सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

आगे उन्होंने कहा कि प्रचार का कार्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि संगठन की विचारधारा को समाज के बीच प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना है। एक चित्र, एक वाक्य या एक संदेश भी समाज में संगठन की उपस्थिति दर्ज करा सकता है। ऐसे में लेखन दक्षता, अभिव्यक्ति की स्पष्टता और कार्य के प्रति निष्ठा अत्यंत आवश्यक है। श्री मालवीय जी ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य

केवल आपसी संवाद नहीं, बल्कि यह समझना भी है कि किस प्रकार से हम अपने कार्य को और प्रभावशाली बना सकते हैं। प्रचारविभाग प्रत्येक कार्य संगठन की समग्र छवि से जुड़ा होता है, इसलिए हम सभी की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख श्री योगेंद्र प्रताप सिंह विद्यालय के प्रबंधक श्री विमल अग्रवाल, संभाग निरीक्षक (सीतापुर)श्री सुरेश जी सहित अनेक गणमान्यजन, प्रचार विभाग के कार्यकर्ता और विभागीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सभी प्रतिभागियों ने कार्यशाला को उपयोगी, दिशा देने वाली एवं प्रेरक बताया।

विद्यालय के भैया का आई0आई0टी0 गुवाहटी में हुआ चयन

भैया अर्चित तिवारी सुपुत्र श्री सुधाकर तिवारी, निवासी ग्राम रसूलपुर, लखीमपुर ने सन 2024 में इण्टर की परीक्षा पं0 दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज (यू0पी0बोर्ड), लखीमपुर से अच्छे अंक से उत्तीर्ण की थी इसके बाद बिना किसी कोचिंग के घर पर ही सेल्फ स्टडी के द्वारा तथा विद्यालय के आचार्यों की मदद से भैया ने इस वर्ष JEE की परीक्षा में 500 में 401 अंक प्राप्त कर आल इण्डिया 2001 रैंक प्राप्त की। भैया ने इसका श्रेय घर पर की गयी अपनी सेल्फ स्टडी तथा विद्यालय के आचार्यों को दिया और कहा सफलता के लिए कोचिंग की आवश्यकता नहीं है। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह जी ने भैया को मिठाई खिलाई एवं भैया के उज्ज्व भविष्य की कामना की।

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम ''Yog for One Earth, One Health'' 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' है। 11वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सनातन धर्म सरस्वती विद्या मंदिर बालिका इंटर कॉलेज, मिश्राना, लखीमपुर खीरी विद्यालय में योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें भारतीय योग संस्थान, विनोदिनी प्रेरणा योग केन्द्र, खत्री महिला सभा, विद्यालय की छात्राओं, अभिभावकों, प्रबन्ध समिति, समस्त आचार्य/आचार्या एवं नगर के गणमान्य साधक/साधिकाओं ने बहुत बड़ी संख्या में प्रतिभाग कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

कार्यक्रम में नगर की प्रतिष्ठित योग विषेषज्ञ डॉ0 शालू गुप्ता एवं सहयोगियों ने सभी साधकों को योग कराया एवं प्रत्येक योग से होने वाले लाभों से भी अवगत कराया। इस अवसर पर योग सप्ताह के अन्तर्गत हुई प्रतियोगिताओं में विजयी छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

प्रधानाचार्य श्रीमती शिप्रा बाजपेई जी सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दी एवं योग से अपने जीवन को निरोगी बनाए रखने की प्रेरणा दी। उन्होंने बताया कि योग के द्वारा हम अपने इम्यूनिटी सिस्टम को मजबूत बनाकर निरोगी रह सकते हैं।

विद्यालय प्रबन्ध समिति के प्रबन्धक श्री चन्द्र भूषण साहनी जी ने सभी से नियमित योग करने को कहा और आये हुए सभी आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबन्ध समिति के सदस्य सी.ए. श्री अमित कुमार गुप्ता जी एवं अन्य गणमान्य अतिथिगण उपस्थित रहें|

अस्तल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मोहमदी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। संकट मोचन हनुमान जी के चरणों में श्रीमती पुष्पा जी ने दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। योग को संपन्न करने वाले श्रीमान आदिअंतर अवस्थी जी ने विभिन्न प्रकार के योग कराएऔर उनके लाभो के विषय में विस्तार से समझाया। इस अवसर पर विद्यालय के व्यवस्थापक श्रीमान गुलशन कुमार भसीन व गोपाल मोहन रस्तोगी जी, मातृ संगठन के जिला संघ चालक श्रीमान अमित भसीन जी विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री पवन कुमार वर्मा जी , श्री दिनेश कुमार अवस्थी जी श्री ओमप्रकाश जी, श्री नरेंद्र मेहरोत्रा जी विद्यालय के कोषाध्यक्ष श्रीमान शोभित मेहरोत्रा जी,अतुल रस्तोगी जी विद्यालय की समस्त आचार्या बहनें आचार्य बंधु समाज के गणमान्य लोग व भैया/ बहन उपस्थित रहे।

11वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम आयोजित हुआ

विधा भारती विद्यालय पं0 दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज (यू0पी0 बोर्ड), लखीमपुर खीरी में 11वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसका शुभारम्भ भारतीय योग संस्थान के जिला मंत्री एवं योग चिकित्सक श्री षिवराम वर्मा जी, भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष श्री सुनील सिंह जी एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह जी नें माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्चन कर किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री सुनील सिंह जी ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रति वर्ष 21 जून को मनाया जाता है। यह दिन उत्तरी गोलार्द्ध में वर्ष का सबसे लम्बा दिन होता है योग ही मनुष्य को दीर्घायु बनाता है। 11 दिसम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र के 177 सदस्यों द्वारा 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस को को मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली। आज 11वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस है। इसके बाद विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह जी ने बताया कि 21 जून 2025 को 11वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 'एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य' की थीम पर मनाया जायेगा। योग का जन्मदाता हमारा भारत देष ही है। योग

की उत्पत्ती भारत में हुयी और यहीं से यह दुनिया के अन्य हिस्सों में फैला। योग के कई लाभ हैं जिनमें शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार शामिल है। यह शरीर में लचीलापन, ताकत और सन्तुलन में सुधार करता है तनाव और चिन्ता को कम करता है तथा नींद की गुणवत्ता में सुधार करता है। भारतीय योग संस्थान के जिला मंत्री एवं योग चिकित्सक श्री षिवराम वर्मा जी ने कार्यक्रम में योग षिक्षक की भूमिका मनायी तथा सभी को विभिन्न प्रकार के योग एवं प्राणायाम करवाये। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह जी नें आये हुए सभी अतिथियों व अभिभावकों का आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर लगभग हरदोई सम्भाग के सम्भाग निरीक्षक श्री कैलाष जी, 283 भैया/बहन, 72 अभिभावक व समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

मिश्राना, लखीमपुर | सनातन धर्म सरस्वती विद्या मंदिर बालिका इंटर कॉलेज, मिश्राना, लखीमपुर में आज दिनांक 30 जून 2025 को मासान्त दिवस पर आचार्य/ आचार्याओं के लिए एक महत्वपूर्ण दक्षता वर्ग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आचार्यआचार्याओं को नवीनतम / जानकारी और उत्कृष्ट विकास की प्रक्रिया से जोड़ना था।

कार्यक्रम में प्रधानाचार्य श्रीमती शिप्रा बाजपेई जी ने दीप प्रज्ज्वलन से शुभारंभ किया। इसके बाद विभिन्न सत्रों में सरस्वती वन्दना, पंचपदी शिक्षण पद्धति, राष्ट्र सेविका समिति की शाखा, खेल प्रतियोगिताएं और एललर्निंग एण्) .एम.टी.ड टीचिंग मैटेरियलका आयोजन किया गया। (आचार्यअपने कौशल को विकसित करने के लिए आचार्याओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और/ नए तरीके सीखे। कार्यक्रम का समापन वन्देमातरम् से हुआ।

विद्यालय प्रशासन ने सभी आचार्यआचार्याओं और कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग करने वाले/ सभी लोगों को धन्यवाद दिया है। हमें विश्वास है कि यह कार्यक्रम आचार्य आचार्याओं को अपने/ कौशल को विकसित करने और छात्रों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने में मदद करेगा।

प्रथम मासिक परीक्षा पुरस्कार वितरण

मिश्राना लखीमपुर| विद्या भारती विद्यालय सनातन धर्म सरस्वती शिशु मंदिर में सत्र 2025-26 की प्रथम मासिक परीक्षा के वरीयता क्रम में प्रथम पांच स्थानधारी भैया बहनों को पुरस्कृत किया गया। इनमें से द्वितीय 'क' से प्रभु अस्थाना प्रथम, माधव मिश्रा द्वितीय, अनय वर्मा तृतीय, अनुष्का सिंह चतुर्थ एवं मान्या तिवारी पंचम स्थान पर रहे। द्वितीय 'ख' में हार्दिक शुक्ला प्रथम, अमन राज और रौनक वर्मा द्वितीय, हिमांशु कुमार, कृति, आरुष वर्मा व रौनक गुप्ता चतुर्थ तथा प्रियल वर्मा व आख्या पंचम स्थान पर रहे। द्वितीय 'ग' में आराध्या सैनी प्रथम, अरनव गिरि द्वितीय, देवांश वर्मा तृतीय, ऋषभ प्रजापति चतुर्थ व अर्पित वर्मा पंचम स्थान पर रहे। द्वितीय 'घ' में अर्चित वर्मा प्रथम, अनिका शुक्ला द्वितीय, रिद्धिमा शुक्ला व आराध्या राज तृतीय, शिफा नूरी चतुर्थ अविका पंचम स्थान पर रहे। इनमें से प्रथम से पंचम तक कुल 97 भैया बहनों को पुरस्कृत किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री मुनेंद्र दत्त शुक्ल ने सभी भैया बहनों को अगली परीक्षा हेतु प्रोत्साहित करते हुए स्थानधारी छात्र बनने हेतु यह सुझाव दिए। इस अवसर पर परीक्षा प्रभारी श्री ज्ञानेंद्र कुमार बाजपेई एवं शिशु वाटिका की संचालिका श्रीमती हीरा सिंह सहित समस्त आचार्य परिवार उपस्थित रहा।

सीतापुर संकुल

आज दिनांक 21 जून 2025, दिन -शनिवार को सरस्वती शिशु मंदिर पुरवारी टोला बिसवां, सीतापुर के विद्यालय में 11 वें विश्व योग दिवस का कार्यक्रम संपन्न किया गया। विद्यालय के योग प्रमुख आचार्य श्रीमान राकेश दीक्षित जी द्वारा आए हुए सभी सम्मानित प्रबंध समिति के पदाधिकारी बंधु अभिभावक, माताएं बहने एवं भैया /बहनों को योग कराया गया। इस पावन अवसर पर अपने बिसवां जिला के सहजिला प्रचारकश्रीमान विकल्प सिंह जी उनके साथ में बिसवां जिले के कुटुंब प्रबोधन प्रमुख श्रीमानगुरु दत्त सिंहचौहान जी उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य जी द्वारा आए हुए सभी सम्मानित अतिथि महानुभावों का स्वागत, वंदन एवं अभिनंदन किया गया। योग दिवस के अवसर पर प्रधानाचार्य जी के द्वारा संदेश स्वरूप यह बताया गया कि योग को हम अपने दैनिक दिनचर्या में शामिल करें तभी हम स्वस्थ रह सकेंगे। स्वस्थ रहना ही संसार का सबसे बड़ा धन है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य जी द्वारा आए हुए सभी अतिथि महानुभावों एवं प्रिय भैया बहनों के प्रति आभार ज्ञापित किया गया । शांति मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

विद्यालय पुनः शुभारंभ

बिसवां, सीतापुर, 01 जुलाई 2025: विद्या भारती विद्यालय सरस्वती शिशु मंदिर, पुरवारी टोला, बिसवां में ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद विद्यालय का पुनः शुभारंभ प्रधानाचार्य श्री रामानुज चौरसिया जी के कुशल निर्देशन में हुआ। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया और शैक्षणिक सत्र के लिए नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प लिया और सभी विद्यार्थियों का मुंह मीठा कराकर उनके जीवन में मिठास बनाए रखने का संदेश दिया।

लखनऊ संकुल

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर क्यू अलीगंज लखनऊ में आज उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम के सहयोग से योग कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

कार्यक्रम में स्थानीय विधायक डॉक्टर नीरज बोरा ,श्रीमती विंदू बोरा , प्रबंधक श्री अभिनव भार्गव , कोषाध्यक्ष के आर कनोजिया, संस्कृत संस्थानम के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री दिनेश कुमार मिश्र, श्रीमती कंचन सिंह, प्रधानाचार्य श्री संतोष कुमार सिंह,अनुराग साहू तथा गणमान्य नागरिको , आचार्यों तथा बच्चों ने योग किया ।

मंच संचालन श्रीमती भावना जी, अतिथि परिचय श्रीमान आशीष अग्रवाल तथा श्रीमती प्रियंका सिंह,प्रवेंद्र सिंह तथा राजेश महतो ने योग कराया ।

योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं ,रोगों से छुटकारा पाएं-यतीन्द्र जी

योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाकर अनेक प्रकार के रोगों से छुटकारा पा सकते हैं, यह विचार विद्या भारती के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री यतींद्र शर्मा जी ने सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज निराला नगर लखनऊ के माधव सभागार में ११हवें विश्व योग दिवस के अवसर पर व्यक्त किए। मुख्य अतिथि श्री यतींद्र जी शर्मा, प्रदेश निरीक्षक श्री राम जी सिंह, बालिका शिक्षा प्रमुख श्री उमाशंकर मिश्र, विद्यालय के प्रबंधक शैलेन्द्र शर्मा 'अटल', निदेशक श्री राम तीर्थ वर्मा ने भारत माता के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन किया। प्रधानाचार्य दुर्गेश चंद्र पांडेय ने अतिथि परिचय एवं योग कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत किया ।योग आचार्य श्री सुरेश मिश्रा ने कई प्रकार के योगासन, एवं प्राणायाम करवाए और उससे होने वाले लाभ को भी बताया । इस अवसर पर विद्यालय के भैया- बहन, अभिभावकों,विद्या भारती परिसर के अधिकारियों, कर्मचारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं सहित ६५०सेअधिक लोगों ने समवेत होकर योग का अभ्यास किया। योग आचार्य का सम्मान एवं आभार ज्ञापन विद्यालय की यशस्वी प्रबंधक श्री शैलेंद्र शर्मा अटल जी ने किया। मंच संचालन श्री दिनेश वर्मा जी ने किया।

प्रांतीय पंचपदीय अधिगम

अधिगम पद्धति कार्यशाला-

सरकार ने भी अपनाया विद्या भारती की पंच पदीय शिक्षा ।भारतीय शिक्षा समिति उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित कार्यशाला दिनांक 23 जून 2025 से 28 जून 2025 का औपचारिक उदघाटन आज प्रातः हुआ।

क्षेत्रीय प्रशिक्षण प्रमुख श्रीमान दिनेश कुमार सिंह ने विद्या भारती की पंचपदीय शिक्षण प्रणाली को नए कलेवर के साथ NEP 2025 के अनुरूप बनाने और उसको लागू करने हेतु अवध प्रांत के चुने हुए आचार्यों को क्लास टीचिंग के गुर सिखाए। उन्होंने बताया कि विद्या भारती ने प्रारंभ से ही पंचपदीय शिक्षण व्यवस्था को अपनाया है ।

सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर क्यू अलीगंज लखनऊ में चल रहे पंच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश निरीक्षक श्री रामजी सिंह ,दोनो संभाग निरीक्षक , सेवा शिक्षा प्रमुख श्रीमान सुरेश मणि सिंह जी सहित अवध प्रांत के लगभग 170 आचार्य यहीं रहकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। प्रधानाचार्य श्री संतोष कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत अंग वस्त्र , श्रीफल तथा पौधे भेंट कर कराया ।

अधिगम को आसान बनाती, भारतीय पंचपदीय शिक्षा|

पंच दिवसीय "प्रांतीय पंचपदीय अधिगम पद्धति श्रोत व्यक्ति कार्यशाला" का समापन आज हुआ ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर दिनेश बाबू शर्मा पूर्व निदेशक बेसिक शिक्षा, ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में राज्य सरकार की योजनाओं की चर्चा की तथा उन्होंने कहा कि आचार्य और बच्चे का रिश्ता अनमोल है । बच्चा कोई प्रोडक्ट नहीं है ।

सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर क्यू अलीगंज लखनऊ में 23 जून 2025 से 28 जून तक आयोजित पंच दिवसीय प्रांतीय पंचपदीय अधिगम पद्धति श्रोत व्यक्ति कार्यशाला में अवध प्रांत से पधारे पधारे 138 आचार्य/ आचार्या ने प्रतिभाग किया ।

03 क्षेत्रीय अधिकारी ,02 प्रांतीय ,05 पूर्णकालिक कार्यकर्ता ,02 अखिल भारतीय प्रशिक्षक तथा 12 क्षेत्रीय प्रशि क्षकों के द्वारा कार्यशाला संपन्न कराई गई । इस कार्यशाला में कुल 23 सत्र आयोजित किए गए, प्रशिक्षार्थियों द्वारा स्वयं से पंचपदी के आधार पर निर्मित पाठ योजना

के अनुसार कक्षा शिक्षण किया ।

कार्यक्रम में भारतीय शिक्षा समिति के प्रदेश निरीक्षक श्री मान राम जी सिंह ने कहा कि हमारी शिक्षा बाल केंद्रित क्रिया आधारित है । हमें शिक्षा को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ना होगा। लर्निंग स्ट्रेटजी का प्रयोग करके शिक्षा व्यवस्था को बदलना होगा ।

श्रीमती रीना सिंह,माया अवस्थी तथा श्रीमान परितोष कुमार सिंह ने कार्यशाला के अपने अनुभवों का बताया । कार्यक्रम में अतिथि परिचय व स्वागत प्रधानाचार्य श्री संतोष कुमार सिंह ने कराया तथा धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के कोषाध्यक्ष श्रीमान के आर कन्नौजिया द्वारा किया । इस अवसर पर प्रांतीय प्रशिक्षण प्रमुख राम निवास सिंह ,उत्तम कुमार मिश्र, श्री सुरेश सिंह, अवरीश सिंह ,सुरेश मणि सिंह सहित सभी प्रतिभागी और स्थानीय विद्|

प्रान्त विषय प्रमुख की बैठक का आयोजन

निराला नगर, लखनऊसरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में प्रान्त विषय प्रमुख की बैठक : का आयोजन किया गया। इस बैठक में मुख्यअतिथि के रूप में भारतीय शिक्षा समिति के प्रदेश निरीक्षक श्री राम जी सिंह और अध्यक्ष श्री हरेंद्र श्रीवास्तव जी उपस्थित रहे। विद्यालय के यशस्वी प्रधानाचार्य श्री दुर्गेश चंद्र पांडे जी ने अतिथियों का परिचय कराया।

बैठक में विद्या भारती के विद्यालयों के केंद्र में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए 30 विषयों को समाहित करने पर चर्चा की गई। इन विषयों में आधारभूत विषय, चार आयाम, अध्ययन और शिक्षण विषय, और सामाजिक विषय शामिल हैं। बैठक का उद्देश्य विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता का विकास करना और उन्हें आधुनिकता के साथसाथ परंपराओं का भी - ज्ञान कराना है।

प्रथम सत्र का उद्घाटन श्री राम जी सिंह ने किया और आभार विद्यालय के प्रबंधक डॉ शैलेंद्र शर्मा जी ने व्यक्त किया। इस अवसर पर माननीय प्रदेश निरीक्षक जी और अध्यक्ष जी को अंग वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया।

संपन्न सत्र

प्रांत विषय प्रमुख की बैठक का दूसरा दिन संपन्न हुआ जिसमें भारतीय शिक्षा समिति के प्रदेश निरीक्षक राम सिंह जी ने सभी विद्यालयों से आए विषय संयोजक, सहसंयोजकों से उनकी वार्षिक योजना के बारे में विस्तार से चर्चा की इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी के एमएलसी तथा शिक्षाविद् माननीय पवन सिंह चौहान जी भी उपस्थित रहे।इस कार्यक्रम में लगभग 30 से अधिक विषयों पर चर्चा हुई जिस पर विभिन्न विद्यालयों से आए हुए प्रधानाचार्य एवं आचार्य बंधुओ ने शारीरिक, संस्कृत, संगीत ,नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा, क्रिया शोध ,पूर्व छात्र परिषद, विद्वत परिषद, संस्कृत बोध परियोजना, छात्र संसद, बालिका शिक्षा,पर्यावरण समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पूर्व माध्यमिक, संपर्क, प्रचार प्रसार, शिशु वाटिका ,बालिका शिक्षा, क्षितिज पत्रिका, शिशु लोक पत्रिका ,मानक परिषद, परीक्षा विभाग, इत्यादिक विभागों की चर्चा बड़े ही सार्थक ढंग से हुई जिसमें लगभग 45 लोगों ने सहभाग किया |

सरस्वती विद्या मंदिर में छात्र संसद के चुनाव आयोजित

लखनऊ, अलीगंज| सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर क्यू में आज छात्र संसद के चुनाव हुए। प्रधानाचार्य श्री संतोष कुमार सिंह ने मुख्य चुनाव आयुक्त की भूमिका निभाई। चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए चार चुनाव अधिकारियों की देखरेख में चुनाव संपन्न कराया गया।

चुनाव प्रचार 24 घंटे पहले ही बंद कर दिए गए थे और नियमों के अनुसार चुनाव हुए। एक उम्मीदवार ने अपने भाषण में कहा, "टूटे हुए कांच पर चलने वाले को न्यायाधीश कहते हैं," जिसने सबका ध्यान आकर्षित किया।

मतपत्रों की गिनती के बाद परिणामों की घोषणा प्रधानाचार्य की अनुमति के बाद की जाएगी। इस आयोजन के माध्यम से विद्यालय में लोकतंत्र के मूल्यों को बढ़ावा दिया गया और छात्रों को नेतृत्व और जिम्मेदारी की भावना का अनुभव करने का अवसर मिला।

बाराबंकी संकुल

सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज फतेहपुर बाराबंकी, मे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 21जून 2025 को योग महोत्सव का आयोजन किया गया, उष्णव्यायाम, सन्धि योग, आसन और प्राणायाम, विद्यालय से योग शिक्षक महेश कुमार मिश्रा ने कराया, साथ मे विद्यालय के यशस्वी प्रधानाचार्य श्री सुनील कुमार सिंह ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब हम कहते हैं - "योगः कर्मसु कौशलम्" - तो हम केवल कर्मों की चतुराई की बात नहीं करते, हम उस सजगता, समर्पण और संतुलन की बात करते हैं जो प्रत्येक कार्य को साधना बना देती है। इसी प्रकार "योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः" - केवल मानसिक चंचलता को रोकने का विधान नहीं है, यह आत्मा की उस स्थिरता का आह्वान है जो विश्व की हर गति में सामंजस्य स्थापित कर सकती है।

आज, जब पूरा विश्व "एक धरती, एक स्वास्थ्य" के सिद्धांत की ओर उन्मुख है, तब योग केवल एक शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि एक सार्वभौमिक दर्शन बनकर उभरता है। यह हमें सिखाता है कि हमारी चेतना केवल व्यक्तिगत शरीर तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि के साथ जुड़ी हुई है - धरती की मिट्टी से लेकर आकाश की शांति तक।

हमारी धरती - हमारी जननी है। इसका स्वास्थ्य ही हमारा स्वास्थ्य है। जल, वायु, वन, जीव-जंतु - सभी के संतुलन में ही मानवता की संपूर्णता निहित है। जब हम योग की भावना से कर्म करते हैं, तब हम न केवल अपने लिए, बल्कि इस समूचे पारिस्थितिकी तंत्र के लिए स्वास्थ्य और कल्याण का निर्माण करते हैं।

योग का अर्थ है - जोड़ना। यह जोड़ता है आत्मा को परमात्मा से, व्यक्ति को समाज से, और मानवता को प्रकृति से। इसी जोड़ में है हमारी आशा, हमारी सुरक्षा और हमारी समृद्धि।

अतः आइए, इस अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर हम केवल आसनों तक सीमित न रहें, बल्कि योग को जीवन की कला, विचार की निर्मलता और कर्म की कुशलता के रूप में अपनाएँ।

एक धरती, एक स्वास्थ्य - और एक सजग, शांत और संतुलित मानवता - यही है योग का सच्चा संदेश।

फतेहपुर, बाराबंकी, सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज में मंगलवार को ग्रीष्मावकाश के उपरांत विद्यालय पुनः खुलते ही विद्यार्थियों का पारंपरिक और उत्साहपूर्ण वातावरण में स्वागत किया गया। विद्यालय के द्वार पर पहुंचते ही सभी भैया-बहनों का तिलक कर एवं पुष्प वर्षा द्वारा अभिनंदन किया गया, जिससे विद्यार्थियों के चेहरे प्रसन्नता से खिल उठे।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के यशस्वी प्रधानाचार्य श्री सुनील कुमार सिंह द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन से हुआ। इसके पश्चात पं. वीनीत शास्त्री जी के निर्देशन में हवन पूजन, हनुमान चालीसा और माँ सरस्वती की वंदना का आयोजन किया गया, जिससे सम्पूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो गया।

प्रधानाचार्य श्री सुनील कुमार सिंह ने उपस्थित भैया-बहनों का कुशलक्षेम जाना और अध्ययन के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा, "पढ़ाई में कोई अवकाश नहीं होता। जो विद्यार्थी नियमित रूप से लक्ष्य निर्धारित कर अध्ययन करता है, वही जीवन में सफलता प्राप्त करता है।"

उन्होंने देश के गौरव, अंतरिक्ष यात्री भैया शुभांशु का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह उनकी निरंतर अध्ययनशीलता और समर्पण का ही परिणाम है कि आज वे अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। सभी विद्यार्थियों को भी प्रेरणा लेते हुए कठिन परिश्रम और लक्ष्य के प्रति सतत प्रयत्नशील रहने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के उपरांत सभी भैया-बहन प्रसन्नता एवं उत्साह के साथ द्वितीय चरण के अध्ययन हेतु अपनी-अपनी कक्षाओं में गये।

बाराबंकी। सरस्वती विद्या मंदिर केशव नगर में ग्रीष्म अवकाश के उपरांत विद्यालय आगमन पर भैया - बहनों का भव्य स्वागत हुआ रोली- अक्षत्र, पुष्प वर्षा की गई । इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य शैलेंद्र कुमार सिंह एवं समस्त आचार्य परिवार उपस्थित रहा।

अयोध्या संकुल

अयोध्या | विद्या भारती विद्यालय शिवदयाल जायसवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज तुलसीनगर में ग्यारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित योग शिविर का शुभारंभ श्री योगेश जी(क्षेत्रीय सेवा शिक्षा संस्कार संयोजक पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र एवं नेपाल राष्ट्र),अंकित दीक्षित (अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विभाग संगठन मंत्री)एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य अवनि कुमार शुक्ल ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्पार्चन कर किया ।

योग प्रशिक्षक आचार्य अरविंद कुमार ने योग क्रियाओं का महत्व बताते हुए कहा कि दैनिक जीवन में योगासन का अत्यधिक महत्व है। इस अवसर पर योग,आसन, व्यायाम एवं प्राणायाम , जिसमें मुख्य रूप से ताड़ासन, वज्रासन, पादहस्तासन, भद्रासन, मकरासन, त्रिकोणासन ,उष्ट्रासन, कपालभाति, अनुलोम -विलोम, भ्रामरी ,शीतली का अभ्यास कराया

मुख्य अतिथि योगेश ने बताया कि योग केवल आसनों का अभ्यास नहीं है, बल्कि यह एक जीवन शैली है, जो अनुशासन, एकाग्रता और आत्म चिंतन सिखाती है । तथा कहा कि प्रधानमंत्री के दिशा निर्देशन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आधार पर देश को स्वस्थ, खुशहाल एवं समृद्धिशाली बनाने में सहयोग करेंगे। इस अवसर पर अभिभावक गण,छात्र, पूर्व छात्र तथा अन्य अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि ने सभी से अपील किया कि कि योग को नियमित अभ्यास का हिस्सा बनाएं , यह आपके स्वास्थ्य एवं दीर्घ जीवन के लिए अति उत्तम है ।

विद्यालय के प्रधानाचार्य अवनि कुमार शुक्ल ने बताया कि योग दिवस का उद्देश्य विश्व के लोगों को योग के जरिए कई भौतिक और आध्यात्मिक लाभों के बारे में जागरूक करना है । उन्होंने यह भी बताया कि योग प्रभावशाली जीवन जीने का माध्यम है जिसके द्वारा न केवल शरीर के अंगों बल्कि मन, मस्तिष्क और आत्मा का संतुलन बनता है । इस अवसर पर आचार्य लल्ला सिंह, रामजी मिश्र,परमात्मादीन, मुकेश ,उत्तम पांडे , विनीत पांडे ,उर्मिला शुक्ला ,ज्योति तिवारी ,विभा तिवारी एवं कृष्णानंद तिवारी उपस्थित रहे ।

योग दिवस पर सरस्वती विद्या मंदिर रामनगर में आयोजित हुआ योगा कार्यक्रम

अयोध्या | योगेन चित्तस्य पदेन वाचां मलं शरीरस्य च वैदिकेन। योपाकरोत्तं प्रवरं मुनीनां पतञ्जलिं प्राञ्जलिरानतोस्मि॥ योग से शरीर और मन दोनों चुस्त दुरुस्त रहती हैं । अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर नगर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर रामनगर अयोध्या में योग का कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस अवसर पर योगाचार्य के रूप में डॉ० उपेंद्र मणि त्रिपाठी जी, संस्कृत बोध परियोजना के क्षेत्रीय संयोजक श्री राजकुमार सिंह जी,अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांत मंत्री पुष्पेंद्र जी,विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक दिवाकर जी, विद्यालय के प्रधानाचार्य मंगली प्रसाद तिवारी उपस्थित रहे । विद्यालय के भैया बहनों ने योग के महत्व को समझा तथा योग करने का अभ्यास किया । डॉ० उपेन्द्रमणि जी द्वारा योग से होने वाले लाभ के विषय में भैया बहनों को बताया गया । कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के आचार्य सरिता पाण्डेय,शालिनी सिंह, श्रद्धा तिवारी, शोभा तिवारी, साक्षी , अजय सिंह, विश्वनाथ यादव, रामभद्र जोशी, राम शंकर वर्मा, शिव अचल पाण्डेय, सुमित पाण्डेय तथा कर्मचारीगणों का सहयोग प्राप्त हुआ ।

अयोध्या | नानकपुरा स्वागत ,वंदन ,अभिनंदन के साथ हुआ 1 जुलाई 2025 मंगलवार को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नानकपुरा में नौनिहालों का स्वागत ग्रीष्मावकाश के पश्चात आज विद्यालय में सुंदरकांड पाठ का शुभारंभ महाबली हनुमान जी के चरणों में पुष्पार्चन एवं दीपार्चन कर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान विजय कुमार सिंह ने किया। सुंदरकांड पाठ में भैया बहनों ने सहभाग किया। सुंदरकांड पाठ के पश्चात आरती व प्रसाद वितरण किया गया एवं संचारी रोग शपथ दिलाया गया। भैया बहनों को गृहकार्य देकर अगले दिन से विद्यालय समय से आने का आग्रह किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के समस्त आचार्य बंधु एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। भैया बहनों का उत्साह वर्धन करते हुए प्रधानाचार्य जी ने शत प्रतिशत उपस्थिति रहने के लिए आवाहन किया। कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम के साथ हुआ।

तुलसी नगर अयोध्या |विद्या भारती विद्यालय शिवलाल शर्मा सरस्वती शिशु मंदिर में ग्रीष्म अवकाश के बाद अखंड रामचरितमानस पाठ का आयोजन विधिवत हवन पूजन के साथ संपन्न हुआ।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. विक्रमा प्रसाद पांडेय जी (महानगर संघचालक)उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान ऋषभ वाजपेई जी के कुशल निर्देशन व आचार्यों के सहयोग से हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त आचार्य आचार्या श्रीमती ममता पांडे, श्री विनीत कुमार मिश्र, श्रीमती प्रियंका त्रिपाठी, श्रीमती शशि बाला तिवारी,सुश्री नेहा पांडे, अंकिता यादव जी, श्रीमती वैशाली त्रिवेदी जी ,श्रीमती ज्योति मिश्रा जी, श्रीश जी, श्री राजकुमार जी, लाल जी मौर्या, सर्वानंद मिश्र जी तथा अभिभावकगण, समिति , और भैया बहन उपस्थित रहे।

गोण्डा संकुल

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर माधवपुरम बड़गांव में योग करते हुए आचार्य परिवार एवं भैया बहन। सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़ागांव में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया ।इस अवसर पर विद्यालय के समस्त आचार्य बंधु, भगिनी, भैया ,बहन सभी पूर्ण मनोयोग से इस योग दिवस मे शामिल हुए ।कार्यक्रम का संचालन विद्यालय प्रबंध समिति के माननीय कोषाध्यक्ष श्री ओम प्रकाश शुक्ला जी ने किया। कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों का विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान सुरेश चंद्र पांडे जी ने आभार व्यक्त किया।

बहराइच संकुल

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

"एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य" की विषय को ध्यान में रखकर सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज माधवपुरी बहराइच के प्रांगण में योग दिवस मनाया गया जिसमें आदरणीय प्रधानाचार्य श्री विजय बहादुर सिंह जी तथा समस्त विद्यालय परिवार एवं समाज के लोगों (समाजसेवी) ने भाग लिया।
इस अवसर पर अतिथि के रूप में विभाग प्रचारक जी,जिला कार्यवाह जी,जिला प्रचारक जी,नगर कार्यवाह जी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

आज दिनांक 21 जून 2025 को अंतर्राष्ट्रीय योगदिवस का कार्यक्रम रामनारायण मद्धेशिया सरस्वती शिशु विद्या मंदिर नानपारा में मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन योगाचार्य बहन प्रतिष्ठा सिंह ने किया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी आचार्य, आचार्या बहने, नगर के सम्मानित महानुभव तथा समिति के सभी पदाधिकारी ने भाग लिया। कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र के साथ हुआ।

नानपारा बहराइच | स्वागत वंदन अभिनंदन आज दिनांक 1 जुलाई 2025 को विद्या भारती विद्यालय, रामनारायण मद्धेशिया सरस्वती शिशु विद्या मंदिर नानपारा बहराइच में ग्रीष्म अवकाश पूर्ण होने के पश्चात विद्यालय में आए हुए भैया बहनों का स्वागत, वंदन अभिनंदन, मस्तक में तिलक लगाकर पुष्प वर्षा के साथ किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री बालमुकुंद

तिवारी जी ने सबसे पहले भैया बहनों के ऊपर पुष्प वर्षा की। उसके बाद सभी आचार्य, आचार्य दीदी, शिशु भारती, छात्र सांसद, कन्या भारती के पदाधिकारी भैया बहनों ने भी पुष्प वर्षा की। उसके बाद श्री सुंदरकांड का पाठ हवन पूजन, आरती का कार्यक्रम संपन्न हुआ। विद्यालय में आए हुए भैया बहनों को गृह कार्य देकर, मुंह मीठा कराकर प्रसाद देकर, वंदे मातरम के साथ अवकाश दिया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य जी ने भैया बहनों को पूर्ण पाठ सामग्री के साथ अगले दिन से आने का आग्रह किया।

नानपारा बहराइच | राम नारायण मद्धेशिया सरस्वती शिशु विद्या मंदिर नानपारा बहराइच में विद्यालय के मुख्यद्वार का लोकार्पण मान्यवर विधायक श्री रामनिवास वर्मा जी ने किया। जिसमें अवध प्रांत के प्रदेश निरीक्षक श्री राम सिंह जी, संभागीय निरीक्षक सुरेश सिंह जी उपस्थिति रहे। विद्यालय के आचार्य श्री आदित्य प्रकाश शुक्ला तथा श्री हवलदार सिंह जी का विदाई का कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री बालमुकुंद तिवारी, सभी आचार्य आचार्य, नगर के संभ्रांत लोग उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय प्रश्न पत्र निर्माण कार्यशाला व्यवस्था बैठक संपन्न

माधवपुरी बहराइच | सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में 11,12,13 एवं 14 जुलाई 2025 को होने वाली क्षेत्रीय प्रश्न पत्र निर्माण कार्यशाला हेतु व्यवस्था बैठक संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित मुख्य अतिथि माननीय प्रदेश निरीक्षक जी और माननीय संभाग निरीक्षक जी का परिचय आदरणीय प्रधानाचार्य श्री विजय बहादुर सिंह जी ने कराया ।

कार्यशाला में व्यवस्था की दृष्टि से सम्बंधित आचार्य बंधु एवं आचार्या बहनों को दिए गए विभिन्न दायित्वों के बारे में उनसे जानकारी ली गई एवं कार्यशाला सकुशल संपन्न हो इस हेतु माननीय प्रदेश निरीक्षक जी एवं माननीय संभाग निरीक्षक जी द्वारा आवश्यक निर्देश/सुझाव दिए गए।

रायबरेली संकुल

दिनांक 21/06/25 को उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित भारतेंदु नाट्य अकादमी, संस्कार भारती अवध प्रांत और गोपाल सरस्वती विद्या मंदिर के संयुक्त तत्वावधान में 21 जून विश्व योग दिवस के अवसर से 10 दिवसीय निःशुल्क कार्यशाला का उद्घाटन गोपाल सरस्वती विद्या मंदिर, सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रायबरेली के प्रांगण में किया गया। इस संगीतमय रंगमंच कार्यशाला का प्रशिक्षण संगीत नाटक अकादमी, उत्तर प्रदेश से सम्मानित, संस्कार भारती अवध प्रांत के नाट्य सदस्य, संगीतमय नाट्य प्रस्तुतियों के लेखक, अभिनेता व निर्देशक अमित दीक्षित "राम जी" के लेखन, संगीत व निर्देशन में "रामायण के संग, नौटंकी के रंग" शीर्षक से अभिनय, संगीत व नृत्य की कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबन्धक श्री विमल तलरेजा जी, सदस्य श्री विनोद अग्निहोत्री जी, प्रधानाचार्य श्री श्रवण कुमार अवस्थी जी, श्री गोविंद सोनी जी, तमन्ना सिंह जी, दिव्या सिंह जी, पवन गुप्ता जी आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर 34 बच्चों ने प्रतिभाग किया।

उन्नाव संकुल

युवा बनेगा संस्कार युक्त,जब होगा वह नशा मुक्त ।

स0वि0म0इ0का0गोपीनाथपुरम शुक्लागंज उन्नाव में विद्यालय की 57 BN NCC के कैडेट्स ने शुक्लागंज नगर में एक संदेशात्मक रैली निकाली जो विद्यालय से थाना गंगाघाट से होते हुए पुनः विद्यालय आकर समाप्त हुई । NCC के ANO श्री शशिकांत जी ने बताया कि आज International drugs abuse day 2025 के अवसर पर यह जागरूकता अभियान चलाया गया है ।इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रवण कुमार सिंह , राम कुमार वर्मा ,प्रकाश बाजपेई ,रविशंकर श्रीवास्तव व अन्य आचार्य शामिल हुए । NCC के कैडेट्स को नशा न करने की शपथ दिलाई गई ।

उन्नाव |आज सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज ए बी नगर उन्नाव में भैया बहन के प्रथम दिन आगमन पर मंगल तिलक, पुष्प वर्षा एवं मुंह मीठा करा कर स्वागत किया गया ,वंदना सत्र में पूर्व छात्र भैया जय सिंह और उनकी धर्मपत्नी के द्वारा पुष्पा अर्चनएवं दीप प्रज्वलन कराया गया प्रधानाचार्य श्री रमेश कुमार अवस्थी ने भैया बहनों को बहनों को बताया कि हम सब स्वयं को गौरवान्वित महसूस करते हैं करते हैं कि हम सब विद्या भारती के कार्यकर्ता एवं भैया बहन है|

हरदोई संकुल

हरदोई | सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर विष्णुपुरी हरदोई में ग्रीष्मावकाश के बाद प्रथम दिन विद्यालय आगमन पर भैया/बहनों का रोली तिलक के साथ पुष्पार्चन कर स्वागत किया गया। जिसमें विद्यालय की आचार्या बहने व आचार्य बन्धुओ ने बढ़ चढ़ कर सहभागिता की।प्रधानाचार्य श्री मान विनोद कुमार सिंह जी ने सभी का उत्साहवर्धन करते हुए पुनः एक बार शिक्षण प्रारम्भ करने का आग्रह किया।

विद्यालय अवलोकन

विष्णुपुरी हरदोई | विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित सरस्वती शिशु /विद्या मंदिर विष्णुपुरी हरदोई में आज 02/07/ 2025 को संस्कार केन्द्र के सह प्रान्त प्रमुख श्रीमान सुरेशमणि जी का प्रातःकालीन वन्दना सभा में श्रीमान विनोद कुमार सिंह (प्रधानाचार्य) द्वारा पटका पहनाकर स्वागत किया गया। श्रीमान सह प्रान्त प्रमुख द्वारा भैया-बहनों को संस्कार पक्ष पर मार्गदर्शन करते हुए उसे अपनें जीवन में कैसे उतारे समझाया गया। कार्यक्रम का संचालन आचार्य श्री विनय कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी भैया/बहन तथा आचार्य/आचार्या उपस्थित रहे। शायकाल संस्कार केन्द्र का अवलोकन भी करने जाएंगे।

संस्कार केन्द्र निरीक्षण

विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित सरस्वती शिशु /विद्या मंदिर विष्णुपुरी हरदोई के निर्देशन में चलने वाले सरस्वती संस्कार केन्द्र पर 02/07/ 2025 को सह प्रान्त संस्कार केन्द्र प्रमुख श्रीमान सुरेशमणि जी का प्रवास हुआ। जहाँ भाईसाहब ने भैया-बहनों से वार्ता कर संस्कार केन्द्र चलाने का उद्देश्य भी बताया।विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान विनोद कुमार सिंह जी ने अथिति महानुभाव से भैया-बहनों को नमकीन व पेन्सिल वितरण कराया। संचालक आचार्य श्री धर्मेन्द्र जी व विद्यालय के आचार्य ललित बाजपेई जी भी उपस्थित रहे।

अम्बेड़कर नगर संकुल

स्वागत, वंदन, अभिनंदन के साथ हुआ विद्यालय आगमन

एनटीपीसी टांडा, अम्बेडकर | विवेकानन्द शिशु कुञ्ज सीनियर सेकेंडरी स्कूल, एनटीपीसी टांडा में ग्रीष्मावकाश के उपरांत भैया-बहनों का हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया गया।

विद्यालय की आचार्या बहनों द्वारा भैया बहनों का पारंपरिक तरीके से रोली-चंदन तिलक लगाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्रीमती रंजना त्रिपाठी जी, श्रीमती मोनिका श्रीवास्तव जी, श्रीमती शैलजा वर्मा जी, श्रीमती रीना सिंह जी एवं श्रीमती शिप्रा वर्मा जी उपस्थित रहीं।

विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री वीरेन्द्र कुमार वर्मा जी ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें नियमित उपस्थिति बनाए रखने का आग्रह किया और प्रतिदिन कुछ नया सीखने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर विद्यालय परिवार के सभी आचार्यगण एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर भैया-बहनों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

54वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस समारोह

एनटीपीसी टाण्डा, अम्बेडकर नगर, 20 मार्च 2025: विवेकानन्द शिशु कुञ्ज सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल में 54वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस समारोह एनटीपीसी टाण्डा के तत्वावधान में भव्य रूप से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा तृतीय से द्वादश तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता और सामाजिक चेतना का अद्भुत परिचय दिया। विजयी प्रतिभागियों को विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री वीरेन्द्र कुमार वर्मा जी ने पुरस्कृत किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

टांडा अंबेडकरनगर |सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में दिनांक 01 जुलाई दिन मंगलवार को भैया /बहनों के ग्रीष्मावकाश के बाद विद्यालय आगमन के प्रथम दिवस पर अक्षत तिलक एवं पुष्प वृष्टि से स्वागत करके तत्पश्चात सुंदरकांड का पाठ एवं विधिवत हवन पूजन किया गया।

बलरामपुर संकुल

तुलसीपुर बलरामपुर |विद्या भारती विद्यालय रामविलास अग्रवाल सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में ग्रीष्म अवकाश के पश्चात विद्यालय में जुलाई माह के प्रथम दिवस पर विद्यालय में आगमन पर आचार्य परिवार द्वारा तिलक चंदन व पुष्प वर्षा से उनका स्वागत व अभिनंदन किया गया ।तत्पश्चात हनुमान चालीसा व सरस्वती वंदना कार्यक्रम संपन्न हुआ। विद्यालय की प्रधानाचार्य श्री रविंद्र नाथ तिवारी में सभी भैया बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं|

लेख- ऑपरेशन सिंदूर

ऑपरेशन सिंदूर: आतंकवाद विरोधी प्रयासों का एक नया युग पहलगाम, जम्मू और कश्मीर में हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया, जिसमें कई लोगों की जान चली गई और परिवार बिखर गए। इसके जवाब में, भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत की, जो देश की सुरक्षा और स्थिरता के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह व्यापक अभियान आतंकवाद से सीधे टकराने के भारत के संकल्प को प्रदर्शित करता है, ताकि नागरिकों की सुरक्षा और गरिमा को सुनिश्चित किया जा सके।

उन्नत सुरक्षा प्रणाली और स्वदेशीकरण

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता भारत की उन्नत सुरक्षा प्रणाली का प्रमाण है, जो विभिन्न एजेंसियों के बीच निरंतर समन्वय को प्रदर्शित करती है। इस सक्रिय दृष्टिकोण के ठोस परिणाम सामने आए, जिससे भारत की प्रतिष्ठा एक मजबूत और सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित हुई है।

भारत निर्मित स्वदेशी हथियार और स्वदेशीकरण की पहल परिवर्तनकारी सिद्ध हुई हैं, जिससे भारत की रक्षा क्षमताओं में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। आकाश और ब्रह्मोस, आकाश-तीर जैसे नवीनीकृत रक्षा प्रणालियों का विकास भारत की आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता को दर्शाता है।

नई रक्षा नीति और निर्णायक प्रतिक्रिया

पाकिस्तान में स्थित आतंकवादी ठिकानों पर किए गए सटीक हमले इस बात का स्पष्ट प्रमाण हैं कि भारत अब किसी भी आतंकवादी हमले को युद्ध की कार्यवाही मानकर त्वरित और निर्णायक प्रतिक्रिया व्यक्त करेगा। भारत की रक्षा नीति में यह बदलाव इस कार्यवाही से स्पष्ट दिख रहा है। जैसे-जैसे भारत अपनी रक्षा क्षमताओं का आधुनिकीकरण करता जा रहा है और सुरक्षा प्रणाली को सुदृढ़ बना रहा है, वह क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने को तैयार हो रहा है। भारत सुरक्षा और समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है, जहां सुरक्षा होगी वहीं विकास होगा। सीमाओं की सुरक्षा, नागरिकों की रक्षा, उनका स्वास्थ्य और इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास - यह भारत सरकार की प्रथम प्राथमिकता है।

ऑपरेशन सिंदूर के परिणाम और वैश्विक संदेश

ऑपरेशन सिंदूर के परिणाम इसके प्रभाव के बारे में बहुत कुछ कहते हैं:

* कई आतंकवादी शिविरों को नष्ट किया गया, जिनमें सबसे अधिक आतंकी मारे गए।

* सीमा पर सटीक हमले किए गए।
* भारत ने स्पष्ट कर दिया कि जहां आतंकवाद उत्पन्न होता है, वहां न तो नियंत्रण देखा जाएगा और
न ही पाकिस्तानी क्षेत्र में कार्रवाई को रोका जाएगा।
* एक नई रणनीति की लाल रेखा खींच दी गई: अगर आतंकवाद किसी देश की नीति है, तो इसका
स्पष्ट और सशक्त जवाब दिया जाएगा।
* आतंकवादियों और उनके प्रायोजकों के लिए समान दंड।
* पाकिस्तान की वायु रक्षा कमजोरी का खुलासा और भारत के वायु रक्षा श्रेष्ठता का प्रदर्शन।
* बिना किसी प्रसार के सटीकता से प्रमुख आतंकवादी कमांडरों का खात्मा।
* पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों पर हवाई हमले।
* समन्वित त्रिकोणीय सैन्य कार्यवाही।
* एक व्यापक वैश्विक समर्थन प्रसारित हुआ।
* कश्मीर के मुद्दे पर भारत का दृष्टिकोण स्पष्ट हुआ।

पहलगाम हमले पर भारत की कार्यवाही कानूनी और नैतिक आधार पर पूरी तरह स्पष्ट थी। इतिहास इसे एक सैद्धांतिक व संतुलित जवाबी कार्रवाई के तौर पर याद रखेगा, जो नेतृत्व, नैतिकता एवं रणनीतिक सटीकता से प्रेरित थी।

भू-राजनीतिक परिदृश्य पर प्रभाव

ऑपरेशन सिंदूर ने दक्षिण एशिया की भू-राजनीतिक और सामरिक परिदृश्य को एक नया आकार दिया। यह केवल एक सैन्य अभियान नहीं था, बल्कि भारत की संप्रभुता, संकल्प और वैश्विक प्रतिष्ठा का बहुआयामी प्रस्ताव था। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में भारत ने एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिसमें संयम के साथ सामर्थ्य और सटीकता के साथ उद्देश्य का मिश्रण देखने को मिलता है। भारत ने आतंकवादी नेटवर्क और उनके राष्ट्रीय प्रायोजकों को अभूतपूर्व स्पष्टता के साथ निशाना बनाकर एक कड़ा संदेश दिया है कि आतंकवाद का तीव्र और आनुपातिक जवाब दिया जाएगा, चाहे सीमाएं या कूटनीतिक जटिलताएं कुछ भी हों।

सुनील कुमार सिंह
प्रान्त प्रचार प्रमुख
अवध प्रान्त

गुरु पूर्णिमा पर विशेष

नमन गुरु की चरण रज को,
ज्ञान दे आह्लाद भरते।
कांच को कंचन बना कर
शिष्य को गुणवान करते।।

तमस हर कर,ज्योति देकर
ब्रह्म से मन को मिला कर।
चित्त की सब विकृति दूषित -
दूर करते,द्युति दिखा कर।
नीम को चंदन बना कर
पाप में भी पुण्य भरते।।

मैं अकिंचन पूज्य गुरु की-
दृष्टि हित पथ में खड़ा हूं।
बूंद मिल जाए कृपा की
रिक्त इक छोटा घड़ा हूं।
एक आशीर्वाद से गुरु की,
अनघ जंजाल जलते।

गुरु तुम्हें है मन समर्पित
और याचकपन समर्पित।
ज्ञान की इक ज्योति दे दो
चरण में सर्वस्व अर्पित।
समाधानों के लिए, गुरु -
ज्ञान का संधान करते।।

सृष्टि गुरुमय,गुरु हिमालय
गुरु सरित,हिमनद,शिवालय
मेघ गुरु,नवरश्मि गुरु हैं
ज्ञान सब गुरु में हुआ लय।
निशा में सुप्रभात करते
लड़खड़ाते पग संभलते।।

लेखक -
सतीश चन्द्र श्रीवास्तव
आचार्य सरस्वती शिशु मंदिर
फतेहपुर बाराबंकी

विद्या भारती

अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

हमारा लक्ष्य

हमारा लक्ष्य इस प्रकार की राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का विकास करना है जिसके द्वारा हिन्दुत्वनिष्ठ एवं राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत तथा शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से पूर्ण विकसित युवा पीढ़ी का निर्माण हो, जो जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके और जिसका जीवन नगरों, ग्रामों, वनों, गिरिकन्दराओं एवं चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में निवास करने वाले वंचित और अभावग्रस्त अपने बांधवों को सामाजिक कुरीतियों एवं अन्याय से मुक्त कराकर राष्ट्रजीवन को सुसंस्कृत, समरस तथा सुसम्पन्न बनाते हुए 'वसुधैवकुटुम्बकम्' के भाव से प्रेरित होकर विश्वकल्याण के लिये समर्पित हो।

भारतीय शिक्षा समिति, उ.प्र.

अवध प्रान्त

सरस्वती कुन्ज निरालानगर, लखनऊ